कमाल हो गया माँ

*ज्योत जगी घर मेरे, मैं निहाल हो गया ॥
कमाल हो गया, माँ कमाल हो गया ॥
ज्योत जगी घर मेरे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

स्वर्गो से भी, सुंदर भक्तो, "माँ का द्वारा लगता" ।
हर कोई माँ के, दर से भक्तो, "ख़ाली झोलीयां भरता" ॥
*मैं भी झोली भरके, खुशहाल हो गया,
कमाल हो गया, माँ कमाल हो गया,,,
ज्योत जगी घर मेरे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मुझ पे कृपा, करने को खुद, "चल महाँरानी आई" ।
ज्योत जगी है, घर में मेरे, "माँ को अर्ज़ सुनाई" ॥
*चुनरी लाल ओढ़ा के, लालो लाल हो गया,
कमाल हो गया, माँ कमाल हो गया,,,
ज्योत जगी घर मेरे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

बैठ के सन्मुख, भोली माँ के, "दिल की बातें कर ली" ।
बिन मांगे ही, माँ के दर से "ख़ाली झोली भर ली" ॥
*मैं भी माँ की कृपा से, मालामाल हो गया,
कमाल हो गया, माँ कमाल हो गया,,,
ज्योत जगी घर मेरे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
ओ सारे बोलो,,, जय माता दी,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27540/title/kamaal-ho-gya-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |